सुविचार

"शिक्षा की जड़ें कड़वी होती हैं,
लेकिन फल मीठा होता है।"

tarangnews2024@gmail.com

तरंग

महाविद्यालय परिवार को रंग, उमंग के पर्व होली की शुभकामनाएं

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भेल भोपाल का
मासिक ई - न्यूज़लेटर

माह- मार्च 2026 अंक - 33वां

पद्मश्री डॉ. नारायण व्यास जी द्वारा वार्षिक स्नेह सम्मेलन 'विहान' का दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ

वार्षिक स्नेह सम्मेलन 2025-26

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल के वार्षिक स्नेह सम्मेलन में दिनांक 16 फरवरी 2026 को भारतीय ज्ञान परंपरा के ज्ञान एवं देश भक्ति के भाव का व्यावहारिक रूप इन दो प्रतियोगिताओं में देखने को मिला भारतीय स्वतंत्रता सैनानी परिधान एवं भाव प्रदर्शन प्रतियोगिता एवं प्राचीन भारतीय संत परंपरा पर आधारित प्रतियोगिताएं आयोजित की गई साथ ही हर प्रांत की झलक अपना देश अपना वेश प्रतियोगिता में देखने को मिली महाविद्यालय में द्वार सज्जा प्रतियोगिता पूजा की थाली सजाओ प्रतियोगिता, प्रांतीय व्यंजन प्रतियोगिता, अभि प्रेरक स्पीच, एकल गायन, युगल गायन, एकल नृत्य समूह, नृत्य, मेहंदी प्रतियोगिता आदि आयोजित की गई जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साह एवं उल्लासपूर्वक सहभागिता की ।

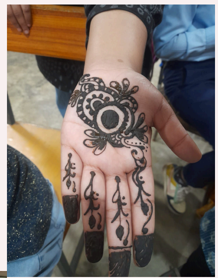

इस अंक के आकर्षण :-

- मातृभाषा समारोह में सहभागिता
- वार्षिकोत्सव 'विहान' - सांस्कृतिक एवं खेलकूद प्रतियोगिताएं
- अकादमिक गतिविधियां
- राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय शिविर
- हिन्दी लेखिका संघ द्वारा हुई कृति पुरस्कृत
- विज्ञान प्रदर्शनी -संगोष्ठी और प्रश्न मंच
- विदाई समारोह का आयोजन

17.2.2026 वार्षिक स्नेह सम्मेलन विहान 2025–26 के अंतर्गत प्रांतीय व्यंजन प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया।प्रतियोगिता की आयोजन समिति में डॉ. मीता बादल, श्रीमती प्रियंका विश्वकर्मा,श्रीमती अनुपमा गीते, शामिल रहे। निर्णायक समिति में डॉ. चारुलता राठौड़,डॉ. उमेश साकल्ले, डॉ. गीता चौहान,ने अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रांतीय व्यंजन प्रतियोगिता में कुल 13 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

उल्लेखनीय है। इस अवसर पर महाविद्यालय का शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक स्टाफ तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे, जिससे कार्यक्रम का वातावरण उत्साह एवं प्रेरणा से परिपूर्ण रहा।

'विहान' वार्षिकोत्सव- क्रीड़ा प्रतियोगिताएं

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में वार्षिक स्नेह सम्मेलन विहान 2025-26 के अंतर्गत दिनांक 18 /2/ 2026 को खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय कुमार जैन के निर्देशन में किया गया। खेलकूद प्रतियोगिताओं का शुभारंभ 100 मीटर की दौड़ से महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय कुमार जैन के द्वारा किया गया । तत्पश्चात 200 मीटर की दौड़ ,400 मीटर की दौड़, गोला फेक प्रतियोगिता ,तीन पांव की दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों के आग्रह पर तथा उनका उत्साहवर्धन करने हेतु प्राध्यापकों द्वारा भी खेल खेले गए । क्रीड़ा अधिकारी श्री फिरोज खान द्वारा बताया गया कि समस्त खेलों में खेल समिति का महत्वपूर्ण योगदान रहा । प्रतियोगिताओं के परिणाम डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव, डॉ. अर्चना जैन, डॉ. वर्षा चौहान, प्रो. शालिनी तिवारी, श्रीमती आरती पटेल, एवं श्रीमती पूनम वरवड़े के द्वारा क्रीड़ा अधिकारी श्री फिरोज खान एवं सहायक श्री हरि नारायण के सहयोग से निकाले गए।

महाविद्यालयीन गतिविधियां

मातृभाषा समारोह में सहभागिता

मातृभाषा मंच द्वारा आयोजित तीन दिवसीय मातृभाषा समारोह में महाविद्यालय के विद्यार्थियों- मनन दीक्षित, शिवम सराठे, अनुज सेन, मोनम मेहरा, ज्योति वर्मा और अंजली मालवीय ने सहभागिता की। टीम प्रभारी डॉ. कमलेश सिंह नेगी और डॉ. संजय वाणकर भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में राष्ट्रभक्ति गीत, वंदे मातरम पर आधारित नाटिका का मंचन किया गया।

वरिष्ठ विद्यार्थियो द्वारा दिया गया मार्गदर्शन

महाविद्यालय के पूर्व विद्यार्थी सौरभ तिवारी सहायक प्राध्यापक द्वारा राजनीति विज्ञान के विद्यार्थियों को नेट, जेआरएफ, सेट व सहायक प्राध्यापक परीक्षा के संबंध में संवाद के माध्यम से मार्गदर्शन दिया गया

महाविद्यालयीन विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

दिनांक 07.02. 26 को बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल के विद्यार्थियों को पीपुल्स ग्रुप के सौजन्य से पीपुल्स यूनिवर्सिटी एवं मॉल का निशुल्क भ्रमण करवाया गया। यूनिवर्सिटी में विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर कोर्सेज की जानकारी दी गई। इस भ्रमण के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन द्वारा शुभकामनाएं दी गई। भ्रमण में श्री ललित कुमार गौड़, श्रीमती उषा परिहार एवं श्रीमती अनुपमा गीते की सहभागिता रही। इस भ्रमण के सफल आयोजन के लिए विद्यार्थियों ने महाविद्यालय के प्राचार्य के प्रति आभार व्यक्त किया।

सीसीई 2 के अंतर्गत विद्यार्थियों का हुआ मूल्यांकन

दिनांक 5 एवं 6 और 7 फरवरी 2026 को हिंदी विभाग द्वारा हिंदी साहित्य की सभी कक्षाओं में टेस्ट लिया गया। व्याकरण कौशल एवं रचनात्मक लेखन, प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य, आधुनिक हिंदी काव्य ,कार्यालयीन हिंदी एवं भाषा कंप्यूटिंग, हिंदी नवगीत, हिंदी गद्य ,अनुवाद विज्ञान, राष्ट्रीय काव्य धारा, हिंदी आलोचना, लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति शीर्षक पर लिखित टेस्ट में स्नातक स्तर के नियमित विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

समाजशास्त्र विभाग द्वारा बीए प्रथम वर्ष समाजशास्त्र, प्रश्न पत्र समाजशास्त्र की मूल अवधारणाएं शीर्षक पर विद्यार्थियों द्वारा प्रेजेंटेशन दिया गया।

अकादमिक गतिविधियां

मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल एवं भारतीय शिक्षण मण्डल, मध्यभारत-प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में "विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक-2025" विषयांतर्गत एक दिवसीय आनन्दशाला दिनांक 20 फरवरी 2026 में बाबूलाल गौर शासकीय पी.जी. कॉलेज से डॉ. उमेश साकल्ले, डॉ. अखिलेश शर्मा प्रो. शालिनी तिवारी डॉ. . सविता डहेरिया ने सहभागिता की। इस आनंदशाला में विधेयक के प्रमुख आयाम परिणाम - आधारित गुणवत्ता मूल्यांकन, बहुविषयक एवं लचीले पाठ्यक्रम को बढ़ावा, छात्र हितों की सुरक्षा और पारदर्शी तंत्र' चर्चा के प्रमुख बिंदु रहे।

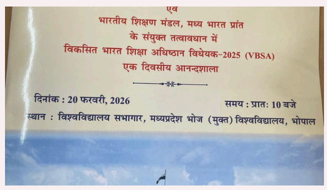

भेल स्थित गौर पीजी कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर शनिवार से शुरू हुआ। 27 फरवरी तक आयोजित शिविर का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. संजय कुमार जैन ने किया। यह शिविर ग्राम पिरिया विद्यापीठ इंस्टीटयूट न्यू एसओएस में आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना संयुक्त इकाई बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भेल भोपाल
सात दिवसीय विशेष शिविर
(21 फरवरी से 27 फरवरी 2026)
पंचम दिवस – दिनांक 25/02/2026

राष्ट्रीय सेवा योजना की संयुक्त इकाई द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के पंचम दिवस की शुरुआत प्रात: प्रभात फेरी से हुई। तत्पश्चात योगविशेषज्ञ श्रीमति विनीता यादव द्वारा स्वयंसेवकों को योगाभ्यास कराया गया। योग सत्र में प्राणायाम, सूर्य नमस्कार एवं विभिन्न आसनों के माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर बल दिया गयाा आज का परियोजना विषय आत्मनिर्भर ग्राम योजना था। इस अंतर्गत स्वयंसेवकों ने ग्राम पिरिया में ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर सामुदायिक सहयोग, महिला सहभागिता, युवा मंडल गठन, स्वरोजगार एवं ग्राम विकास से संबंधित विषयों पर चर्चा की। ग्राम में जागरूकता रैली निकालकर आत्मनिर्भरता का संदेश दिया गया।
बौद्धिक सत्र का विषय व्यक्तित्व विकास में समय प्रबंधन की भूमिका एवं आरडीसी परेड रहा। मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय की प्राध्यापक डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव, डॉ. मीता बादल एवं वर्ष 2021 RDC व वरिष्ठ स्वयंसेवक वृषभ शर्मा उपस्थित रहे। डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिविर जीवन में अनुशासन, समय प्रबंधन एवं संचार कौशल का विकास करता है। उन्होंने बताया कि शिविर के माध्यम से स्वयंसेवकों का मंच भय समाप्त होता है और वे प्रभावी रूप से अपनी बात प्रस्तुत करना सीखते हैं। डॉ. मीता बादल ने पोषण एवं मानसिक स्वास्थ्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या, मानसिक प्रसन्नता और सकारात्मक सोच संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को पाँच प्रकार के अनाज, सभी प्रकार की दालें, प्रतिदिन एक कटोरी दाल, एक फल एवं हरी सब्जियाँ लेने की सलाह दी। साथ ही कोल्ड ड्रिंक, नूडल्स में उपस्थित अजीनोमोटो तथा बार-बार एक ही तेल में तले खाद्य पदार्थों से बचने का संदेश दिया। वृषभ शर्मा ने स्वयंसेवकों को प्रेरित करते हुए बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना किस प्रकार युवाओं को राष्ट्रीय स्तर तक पहचान दिलाती है। उन्होंने आरडीसी परेड की तैयारी एवं अनुशासन के महत्व पर प्रकाश डाला तथा स्वयंसेवकों को परेड अभ्यास भी कराया। स्वयंसेवकों ने SOS चिल्ड्रन विलेज का भ्रमण किया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने अनुभव किया कि सच्ची शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होती, बल्कि समाज को समझने और मानवता को अपनाने से प्राप्त होती है। बौद्धिक सत्र कार्यक्रम का संचालन राजवेन्द्र अहिरवार एवं डोली श्रीवास्तव द्वारा किया गया। अतिथियों का स्वागत अश्विन रामटेके, अंजली मालवीय एवं नेहा अहिरवार ने किया। बौद्धिक सत्र की अध्यक्षता माही नामदेव ने की एवं अंत में आभार प्रदर्शन भी माही नामदेव द्वारा किया गया। पंचम दिवस का यह आयोजन ज्ञान, अनुशासन, स्वास्थ्य जागरूकता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट समन्वय रहा।

'शिविर की झलकियाँ'

विज्ञान दिवस पर हुए अनेक आयोजन

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह

भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत आयोजन

भोपाल, 28 फरवरी 2026

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भेल, भोपाल में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन उत्साह एवं गरिमा के साथ किया गया। कार्यक्रम कक्ष क्रमांक 25 में संपन्न हुआ, जिसमें प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही।
कार्यक्रम का शुभारंभ विज्ञान प्रदर्शनी से हुआ। प्रदर्शनी का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत वैज्ञानिक मॉडलों का अवलोकन कर उनका उत्साहवर्धन किया। विद्यार्थियों ने सौर ऊर्जा, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण एवं रोबोटिक्स जैसे विषयों पर आधारित आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक मॉडल प्रस्तुत किए। प्रदर्शनी में भारतीय ज्ञान परंपरा एवं आधुनिक विज्ञान के समन्वय की प्रभावी झलक दिखाई दी।

इसके उपरांत भारतीय वैज्ञानिकों के योगदान पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन डॉ. अर्चना जैन (विभागाध्यक्ष, गणित) द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में तीन टीमों ने सहभागिता की—

टीम 1: C. V. Raman

टीम 2: Aryabhata

टीम 3: Charaka

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक अपने ज्ञान का प्रदर्शन किया। परिणामस्वरूप टीम आर्यभट्ट ने प्रथम स्थान तथा टीम सी. वी. रमन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम के तृतीय चरण में "वैज्ञानिक आविष्कार एवं नवाचार" विषय पर मुख्य व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव (IQAC समन्वयक) ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह दिवस C. V. Raman द्वारा 28 फरवरी 1928 को की गई Raman Effect की खोज की स्मृति में मनाया जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने तथा नवाचार एवं अनुसंधान की दिशा में निरंतर प्रयासरत रहने की प्रेरणा दी।

समापन अवसर पर प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने विद्यार्थियों को विज्ञान को जीवन का अभिन्न अंग मानते हुए शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने का संदेश दिया। भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की प्रभारी डॉ. समता जैन ने वैज्ञानिक चिंतन विकसित करने पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मीता बादल द्वारा किया गया।

कार्यक्रम समस्त प्राध्यापकगण, प्रकोष्ठ सदस्यों एवं विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

विदाई-समारोह का हुआ भावपूर्ण आयोजन

सम्मान एवं विदाई समारोह

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भेल भोपाल में जूलॉजी विभाग की प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. चारूलता राठौड़ के सेवानिवृत्तिअवसर पर एक गरिमामय सम्मान समारोह एवं विदाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में महाद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय कुमार जैन ने डॉ. राठौड़ को पुष्पगुच्छ, शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। तत्पश्चात महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों सहित स्टॉफ क्लब प्रभारी डॉ.अर्चना शर्मा प्राध्यापक समाजशास्त्र ने भी डॉ.चारूलता राठौड़ का सम्मान किया। तत्पश्चात जूलॉजी की प्राध्यापक डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव, समाजशास्त्र की प्राध्यापक डॉ. अर्चना गौर, श्री रमाकांत तिवारी, श्री शिव नारायण प्रजापति, श्रीमती डौली खटवानी, डॉ. राठौड़ की सुपुत्री एवं श्री मनोहर सोनी ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए मैडम के स्नेहपूर्ण व्यवहार, मार्गदर्शन और समर्पित सेवाओं को स्मरण किया। डॉ. चारूलता राठौड़ ने अपने 43 वर्षों की दीर्घ शैक्षणिक सेवा के विविध अनुभवों को साझा करते हुए विद्यार्थियों और सहकर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने महाविद्यालय परिवार के सहयोग को अपनी उपलब्धियों का आधार बताया। अंत में प्राचार्य डॉ. संजय कुमार जैन ने अपने वक्तव्य में डॉ. राठौड़ के उज्ज्वल भविष्य, स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामनाएँ प्रेषित कीं। कार्यक्रम का सफल संचालन अंग्रेजी विभाग की प्राध्यापक डॉ. इला रानी श्रीवास्तव ने किया। इस प्रकार स्टाफ क्लब द्वारा आयोजित डॉ. चारूलता राठौड़ का सम्मान एवं विदाई समारोह आत्मीय वातावरण में संपन्न हुआ।

समाचार पत्रों से

राजधानी पॉवर | भेल-भोपाल | भोपाल, बुधवार 18 फरवरी 2026 | 08

ऐतिहासिक धरोहरों के अध्ययन से खुलेंगे युवाओं के लिए रोजगार के द्वार—पद्मश्री डॉ. नारायण व्यास

भेल कॉलेज के वार्षिक स्नेह सम्मेलन 'विहान' का भव्य शुभारंभ

भोपाल, लोकदेश रिपोर्ट
17.2.2026

पर्यटन क्षेत्र में युवाओं को रोजगार के अनेक अवसर हैं ऐतिहासिक धरोहरों के अध्ययन से भारतीय संस्कृति, ज्ञान और परम्पराओं को निकट से जाना जा सकता है और जीवन शैली में उसका बेहतर उपयोग किया जा सकता है उक्त विचार पुरातत्ववेत्ता पद्मश्री डॉ. नारायण व्यास ने बाबूलाल गौर शासकीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय भेल के वार्षिक स्नेह सम्मेलन 'विहान' के अवसर पर व्यक्त किए डॉ राहुल जैन ने युवाओं को उत्साहपूर्वक असफलताओं से सामना करने का आव्हान किया। जीवन में कभी आत्महत्या न करने की शपथ दिलाई। स्वास्थ्य विरासत योग एवं ध्यान को दिनचर्या में शामिल करें। इससे तनाव और अवसाद दूर होगा। डॉ. जैन विभिन्न माध्यमों से 100 से अधिक देशों में 10 लाख से अधिक लोगों को आत्महत्या न करने का संकल्प दिलवा चुके हैं।

प्राचार्य डॉ संजय जैन ने पद्मश्री डॉ नारायण व्यास का शाल, श्रीफल और पौधा भेंटकर सम्मान किया। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में संचालित पर्यटन और होटल प्रबंधन पाठ्यक्रमों में डॉ. व्यास का मार्गदर्शन मिलता रहा है। उन्हें पद्मश्री मिलने पर इस संस्था का भी गौरव बढ़ा है। जो विद्यार्थियों के प्रेरणास्त्रोत भी हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ वर्षा चौहान ने किया। छात्रसंघ प्रभारी डॉ अनुपमा यादव ने बताया कि द्वार सज्जा, रंगोली, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, प्राचीन संत परिधान, भाव युगल गायन, अभिप्रेरक स्पीच एवं अंत्याक्षरी प्रतियोगित में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

हिंदी लेखिका संघ मप्र का 31 वाँ पुरस्कार-सम्मान समारोह सम्पन्न

● डॉ.सुषमा जादौन की कृति खत्म हुआ मेरा लॉकडाउन पुरस्कृत ● शॉल, मोतियों की माला और प्रतिष्ठित सुषमा तिवारी अवार्ड देकर सम्मानित किया गया

नगर संवाददाता

भोपाल। हिंदी लेखिका संघ, मप्र भोपाल द्वारा 31वां वार्षिक उत्सव कृति पुरस्कार –सम्मान समारोह का गरिमापूर्ण आयोजन हिंदी भवन में किया गया। इस आयोजन में कृति पुरस्कार के अंतर्गत डॉ.सुषमा जादौन की डायरी विधा में लिखी गयी पुस्तक खत्म हुआ मेरा लॉकडाउन को प्रतिष्ठित सुषमा तिवारी अवार्ड देकर सम्मानित किया गया।डॉ.सुषमा जादौन की यह पुस्तक मंजुल पब्लिकेशन हाउस भोपाल की सहयोगी संस्था सर्वत्र प्रकाशन से छपी है।इस पुरस्कार के अंतर्गत लेखिका को शॉल, मोतियों की सुंदर माला एवं प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। पुस्तक खत्म हुआ मेरा लॉकडाउन संवेदनशील, सृजनशील मन की मार्मिक, साहित्यिक अभिव्यक्ति है।इस पुस्तक में एक बहन, बेटी, सामान्य स्त्री और प्राध्यापक के दृष्टिकोण से कोविड के समय का सच्चा चित्रण किया गया है।लेखिका डॉ.सुषमा जादौन, भोपाल के बाबूलाल गौर शासकीय महाविद्यालय भेल में हिंदी के प्राध्यापक पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने इस अवसर पर अपने माता-पिता और वियुक्ता पुत्री अर्पिता का अंतर्मन से स्मरण किया। लेखिका ईश्वरीय कृपा, स्वर्गीय माता-पिता के आशीर्वाद और हिंदी लेखिका संघ मप्र की बहुत बहुत आभारी हैं। इस पुरस्कार के प्राप्त होने पर उन्होंने सभी शुभचिंतकों, महाविद्यालय के स्नेही सदस्यों, अपने बेटे वेदांत प्रताप सिंह जादौन और पति एनएस जादौन को हृदय से धन्यवाद दिया है।

भेल कॉलेज के विद्यार्थियों ने किया पीपुल्स विवि का शैक्षणिक भ्रमण

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल
8.2.2026

बाबूलाल गौर शासकीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय भेल के छात्र छात्राओं ने पीपुल्स विश्वविद्यालय एवं मॉल का शैक्षणिक भ्रमण पर्यटन विशेषज्ञ प्रो ललित गौड़, प्रो अनुपमा गीते और डा ऊषा परिहार के मार्गदर्शन में किया। इसमें शैक्षणिक, व्यावसायिक और पर्यटन संबंधित रोजगारोन्मुखी जानकारियां प्राप्त की। गईं।

पीपुल्स समाचार भोपाल 17.2.2026

युवाओं को आत्महत्या नहीं करने की दिलवाई शपथ

भोपाल। पर्यटन क्षेत्र में युवाओं को रोजगार के अनेक अवसर हैं। ऐतिहासिक धरोहरों के अध्ययन से भारतीय संस्कृति, ज्ञान और परंपराओं को निकट से जाना जा सकता है और वर्तमान जीवन शैली उसका बेहतर उपयोग किया जा सकता है। यह बात प्रसिद्ध पुरातत्ववेत्ता पद्मश्री डॉ. नारायण व्यास ने बाबूलाल गौर शासकीय महाविद्यालय भेल भोपाल के वार्षिक स्नेह सम्मेलन ' विहान' के शुभारंभ के अवसर पर कही। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप मे उपस्थित डॉ. राहुल जैन ने युवाओं को असफलताओं से सामना करने का आह्वान किया, जीवन में कभी आत्महत्या न करने की शपथ दिलवाई।

शैक्षणिक टूर पर गए भेल कॉलेज के छात्र

स्वदेश भोपाल 8.2.2026

भोपाल। बाबूलाल गौर शासकीय पीजी महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने पीपुल्स विश्वविद्यालय एवं माल का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस मौके पर पर्यटन विशेषज्ञ प्रो ललित गौड़, प्रो अनुपमा गीते एवं डा ऊषा परिहार रहीं। छात्रों ने शैक्षणिक भ्रमण के दौरान व्यावसायिक एवं पर्यटन सम्बंधित रोजगारोन्मुखी जानकारियां प्राप्त कीं।

बाबूलाल गौर कॉलेज में विज्ञान दिवस मना

भोपाल। बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल, में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। शुरुआत विज्ञान प्रदर्शनी से हुई। इसका उद्घाटन प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने किया और विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सौर ऊर्जा, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण तथा रोबोटिक्स आधारित मॉडलों की सराहना की। डॉ. अर्चना जैन ने भारतीय वैज्ञानिकों के योगदान पर प्रश्नोत्तरी की।

राजाभोज महाविद्यालय में 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी कार्यक्रम संपन्न

सर्च स्टोरी संवाददाता, मंडीदीप

नगर स्थित राजाभोज शासकीय महाविद्यालय में जनजातीय विमर्श चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन हुआ। संगोष्ठी के दूसरे दिन तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. मथुरा प्रसाद, अतिरिक्त संचालक, मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा रहे। सत्र की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य श्री संतोष कुमार भदौरिया ने की। तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ डॉ. दीपमाला रावत, डॉ. रवि उपाध्याय, डॉ. यूनुस खान एवं डॉ. अच्छेलाल, विभागाध्यक्ष, तुलनात्मक संस्कृति एवं भाषा विभाग, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने जनजातीय शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, भाषा एवं संस्कृति संरक्षण तथा नीति निर्माण जैसे विषयों पर शोधपरक व्याख्यान दिए। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों एवं,विश्वविद्यालयों से पधारे शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। संगोष्ठी के समापन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. संजय जैन, प्राचार्य, बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भोपाल

डॉ. कुसुम कश्यप एवं डॉ. कृष्णा राय चौहान द्वारा किया गया। संगोष्ठी के सफल आयोजन हेतु संयोजक डॉ. राजेश खरे एवं आयोजन सचिव डॉ. किरण वट्टी ने आयोजन समिति के

17 Feb 2026 | Page - 4

पर्यटन क्षेत्र में युवाओं को रोजगार के अनेक अवसर : पद्मश्री डॉ. व्यास

विशेष संवाददाता ■ भोपाल

पर्यटन क्षेत्र में युवाओं को रोजगार के अनेक अवसर है। खासकर इन क्षेत्रों में ऐतिहासिक धरोहरों के अध्ययन से भारतीय संस्कृति, ज्ञान और परम्पराओं को निकट से जाना जा सकता है। वर्तमान जीवन शैली में उसका बेहतर उपयोग किया जा सकता है उक्त विचार प्रसिद्ध पुरातत्ववेत्ता पद्मश्री डा. नारायण व्यास ने बाबूलाल गौर शासकीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय भेल के वार्षिक स्नेह सम्मेलन विहान के उदघाटन अवसर पर सोमवार को मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए।

व्यास ने कहा कि नई शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा में इन धरोहरों का भी समावेश है। विशेष अतिथि डा. राहुल जैन ने युवाओं को उत्साहपूर्वक असफलताओं से सामना करने का आव्हान किया। इस मौके पर प्राचार्य डा. संजय जैन ने पद्मश्री डा व्यास का शाल, श्रीफल और पौधा गमला देकर सम्मान किर महाविद्यालय में संचालित पर्यटन और होटल प्रबंधन पाठ्यक्रमों मे डा. व्यास का मार्गदर्शन मिलता रहा है। उन्हें पद्मश्री मिलने पर इस संस्था का भी गौरव बढ़ा है। कार्यक्रम का संचालन डा वर्षा चौहान ने किया।

छात्रसंघ प्रभारी डा अनुपमा यादव ने बताया कि विहान के तहत पहले दिन द्वार सज्जा, रंगोली, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, प्राचीन संत परिधान एवं भाव युगल गायन, अभिप्रेरक भाषण एवं अंत्याक्षरी प्रतियोगिताओं का सफलतापूर्वक आयोजन हुआ।

एक्सप्रेस नोबल | विविध 18.2.2026 | भोपाल

वार्षिक स्नेह सम्मेलन - 'विहान 'शुभारंभ

पर्यटन क्षेत्र में युवाओं को रोजगार के अनेक अवसर :पद्मश्री डॉ.नारायण

युवाओं को अवसाद का उत्साहपूर्वक सामना करना चाहिए: डॉ.राहुल जैन

1.3.2026 | स्वदेश, भोपाल

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर भेल और कोलार कॉलेजों में हुए आयोजन

भेल कॉलेज में वैज्ञानिक मॉडलों के जरिए दिखाई प्रतिभा

कोलार : महिला थीम पर हुआ व्याख्यान

वैज्ञानिक मॉडलों का अवलोकन कर सराहा।

प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने सौर ऊर्जा, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण एवं रोबोटिक्स जैसे विषयों पर आधारित आकर्षक एवं ... योगदान पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता डॉ. अर्चना जैन विभागाध्यक्ष, गणित के नेतृत्व में हुआ। इसमें विद्यार्थियों ने अपने ज्ञान का प्रदर्शन किया। टीम आर्यभट्ट प्रथम तथा टीम सीवी ... एवं नवाचार विषय पर हुए व्याख्यान में डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव समन्वयक ने विज्ञान दिवस का महत्व बताया। प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. समता जैन ने वैज्ञानिक चिंतन विकसित करने पर बल दिया।

... दिनी कार्यक्रम का समापन शनिवार को हुआ। प्राचार्य डॉ शालिनी सक्सेना ने छात्राओं से विज्ञान क्षेत्र में अपना योगदान देने पर जोर दिया। मुख्य अतिथि अशोक कड़ेल, संचालक मध्यप्रदेश हिंदी ग्रन्थ अकादमी ने कहा ... सेवा बताया। जनभागीदारी अध्यक्ष अनूप सिंह ने भी अपने विचार रखे। समन्वयक डॉ आशा वर्मा ने बताया कि रंगोली, पीपीटी प्रस्तुतिकरण एवं डॉ रमन पर डॉक्यूमेंट्री, पोस्टर एवं प्रदर्शनी आयोजित की गई।

भोपाल, रविवार, 01 मार्च 2026 | patrika.com

विद्यार्थियों ने मॉडल के माध्यम से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

भोपाल. बाबूलाल गौर भेल कॉलेज में शनिवार को भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं ने सौर ऊर्जा, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण एवं रोबोटिक्स जैसे विषयों पर आधारित आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक मॉडल प्रस्तुत किए। प्रदर्शनी में भारतीय ज्ञान परंपरा एवं आधुनिक विज्ञान के समन्वय की झलक दिखाई दी।

विविध समाचार

हिन्दी लेखिका संघ मप्र का 31वाँ पुरस्कार-सम्मान समारोह सम्पन्न
डॉ. सुषमा जादौन की कृति खत्म हुआ मेरा लॉकडाउन पुरस्कृत
शॉल, मोतियों की माला और प्रतिष्ठित सुषमा तिवारी अवार्ड देकर सम्मानित किया गया।

हिन्दी लेखिका संघ, मप्र भोपाल द्वारा 31 वाँ वार्षिक उत्सव कृति पुरस्कार-सम्मान समारोह का गरिमापूर्ण आयोजन हिंदी भवन में किया गयाा इस आयोजन में कृति पुरस्कार के अंतर्गत डॉ. सुषमा जादौन की डायरी विधा में लिखी गयी पुस्तक खत्म हुआ मेरा लॉकडाउन को प्रतिष्ठित सुषमा तिवारी अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। डॉ. सुषमा जादौन की यह पुस्तक मंजुल पब्लिकेशन हाउस भोपाल की सहयोगी संस्था सर्वत्र प्रकाशन से छपी है । इस पुरस्कार के अंतर्गत लेखिका को शॉल, मोतियों की सुंदर माला एवं प्रतीक चिह्न सम्मानित किया गया । इस पुस्तक में एक बहन, बेटी, सामान्य स्त्री और प्राध्यापक के दृष्टिकोण से कोविड के समय का सच्चा चित्रण किया गया है। लेखिका डॉ. सुषमा जादौन, भोपाल के बाबूलाल गौर शासकीय महाविद्यालय भेल मे हिन्दी के प्राध्यापक पद पर कार्यरत हैं।

16.2.2026 प्रवेश द्वार के निकट संधारित " मानसिक अस्वस्थता निवारण पेटी" जिसमे महाविद्यालय परिवार का कोई भी सदस्य, छात्र छात्राएं,अभिभावक एवं उनके परिजन , स्थानीय नागरिक अपनी किसी भी प्रकार की मानसिक समस्या को इस पेटी/बाक्स में बिना अपना नाम या मोबाईल नं. लिख कर डाल सकते हैं। इसमें पठनीय समस्याओं का निवारण प्रति सोमवार दोपहर 12 बजे से विषय विशेषज्ञ द्वारा नवीन भवन कोर्टयार्ड में किया जाएगा ।

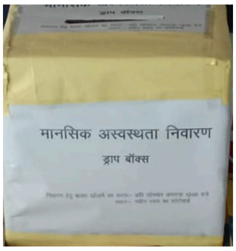

कार्यक्रम की विवरणिकाएँ

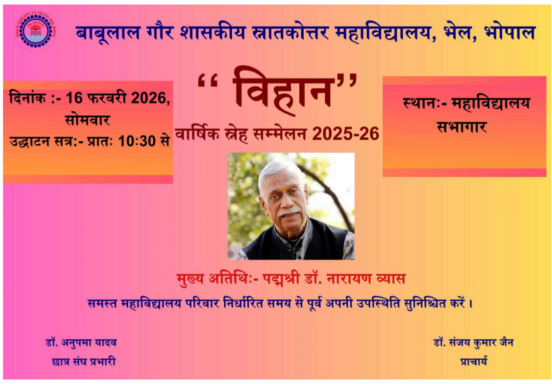

स्टूडेंट कॉर्नर

रंगों का त्योहार – होली

रंगों का त्योहार है होली,
खुशियों की बौछार है होली।
राधा का श्रृंगार है होली,
प्रेम का सच्चा आधार है होली।

ढोल-मंजीरे गूंज उठें,
बूढ़े-बच्चे संग में झूमें।
दिल प्यार के गीत सुनाएँ,
सबके घर मेहमान आएँ।

मीठे बोल और प्यार की बोली,
ऐसी बस जाए हर दिल में होली।
ना हो मन में कोई भी दूरी,
रहे सदा अपनापन जरूरी।

फागुन की बहार है होली,
फूलों का त्योहार है होली।
हर द्वार सजे रंगों से प्यारा,
मन में उमंग, चेहरे पर नूर हमारा।

आया रंगों का त्योहार निराला,
हर दिल में प्रेम का दीप जला डाला।
मिलजुल कर हम सब बोलें,
सबको मुबारक प्यारी होली।

नैना मालवीय
बी.ए द्वितीय वर्ष

'तरंग' न्यूज लेटर का हर अंक प्रभावी होता है। सभी योजनाओं की जानकारी वाला पृष्ठ मुझे बहुत उपयोगी लगा ।

स्वीटी अहिरवार
एम.ए. प्रथम सेमेस्टर , राजनीति शास्त्र

फरवरी 2026 'तरंग' अंक ने बहुत प्रभावित किया। मैं भी अपनी रचनाएं प्रकाशित करवाने के लिए बहुत उत्सुक हूँ।

रूकमणी रैकवार
बी.ए. तृतीय वर्ष

'तरंग' पत्रिका से हमें सदैव महाविद्यालय में होने वाली संपूर्ण माह की गतिविधियों की सूचनाओं एवं फोटो से संपूर्ण जानकारी प्राप्त करने में सहायता मिलती है।

दीपक इरपाचे
बी.कॉम. प्रथम वर्ष

तरंग स्टार

पायल ठाकुर , बीकॉम तृतीय वर्ष की छात्रा ने वार्षिकोत्सव विहान के अंतर्गत आयोजित सांस्कृतिक, साहित्यिक कार्यक्रमों में सबसे अधिक पुरस्कार प्राप्त किए। पायल ठाकुर इस अंक की तरंग स्टार हैं।

साक्षी सराठे, बीए तृतीय वर्ष की छात्रा ने वार्षिकोत्सव विहान के अंतर्गत हुईं क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में सबसे अधिक पुरस्कार प्राप्त किए हैं।ये छात्रा भी इस अंक की तरंग स्टार हैं।

महाविद्यालय परिवार ने दोनों छात्राओं को बधाई दी है।

ये दोनो इस अंक की 'तरंग' स्टार हैं।

आगामी कार्यक्रम

- 'अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस
- राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस
- विश्व जल दिवस
- विश्व वन दिवस

संपादक की पाती

माह- मार्च 2026 का ‘ तरंग ’ अंक आपके हाथों में है। यह अंक आपको कैसा लगा, हमें अवश्य बताएँ । आपकी टिप्पणी / सुझावों की हमें प्रतीक्षा रहेगी । विद्यार्थी अपनी रचनाएँ, सुझाव, प्रतिक्रिया और उपलब्धि ‘स्टूडेंट कॉर्नर’ के लिये tarangnews2024@gmail.com पर मेल कर सकते हैं।

मोबाइल पर मिलेंगी जानकारियाँ

जुड़िए हमारे NEWS Letter

TARANG SE

तरंग से

सौजन्य ई-न्यूजलेटर समितिः- डॉ. सुषमा जादौन (संयोजक)
डॉ. दीक्षा बरडे, डॉ. वर्षा चौहान
पूजा शर्मा (कम्प्यूटर वर्क)